Level Technical Committee. However, the available allocation of funds has been deficient to the extent of about 40 per cent of the requirement. Accordingly, the allocation of funds to the States has to be made on similar pro-rata basis.

(c) Efforts are made from year to year to get the allocations for maintenance increased to be at par with the normal requirements within the overall availability of resources. However, simultaneously development works are being taken up on most of the National Highways to improve their condition.

Development of Buckingham Canal

@691. SHRI PRAGADA KOTAIAH: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to develop . the Buckingham Canal with a view to facilitate Navigation from Kakinada to Madras; and

(b) if so, what is the cost of converting the Buckingham Canal into Navigation Canal, the extent of cost to be borne by Andhra Pradesh and Tamil Nadu States and the amount to be borne by the Central Government?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Central Government have projected a proposal for integrated development of canals for navigation between Madras and Kakinada as Centrally Sponsored Scheme in the 8th Plan which is yet to be finalised. The estimated project cost converting of Buckingham Canal into navigation canal is Rs. 33.92 crores. As Centrally Sponsored Scheme 50 per cent of the estimated cost has to be proportionately shared between the State Governments of Andhra Pradesh and Tamil Nadu and the balance 50 per cent by the Central Government.

@Previously Unstarred Question 901, transferred from 29th November, 1991.

सिहोरा-जबलपुर सड़क पर फंसे हुए वाहन

1692. श्री शिव प्रह्लाद पनपुरिया : क्या जल-मार्ग परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारी वर्षा के कारण अगस्त, 1991 में राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 7 पर सिहोरा और जबलपुर शहर के बीच सड़क में आई दरार और उसके पानी में बह जाने के कारण वहां कितने वाहन फंस गये थे और वे कितने दिनों तक वहां फंसे रहे और उन्हें यात्रा जारी रखने के लिए किस वैकल्पिक ग्रामीण मार्ग का सहारा लेना पड़ा था; और

(ख) क्या सरकार ऐसी आपात स्थिति में निर्बाध आवागमन के लिए उक्त वैकल्पिक ग्रामीण मार्ग का विकास करने पर विचार करेगी ?

जल-मार्ग परिवहन संबंध राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां । 442/10 कि०मी० में पुल के पुन-र्निर्माण के लिए बनाए गए डाईवर्शन पर पानी भर जाने के कारण अगस्त, 1991 में मध्य प्रदेश में रा० रा० 7 पर सिहोरा और जबलपुर के बीच यातायात में कुल 260.5 घंटे के लिए तीन बार व्यवधान पड़ा । तथापि, बाढ़ उतरने के पश्चात् यथा सम्भव शीघ्र यातायात को बहाल कर दिया गया था । ऐसे मामलों में फंसे हुए वाहनों की गिनती नहीं रखी जाती । यातायात-व्यवधान की अवधि में वाहन सिहोरा-मझोली-कटांगी-जबलपुर के वैकल्पिक रूट का प्रयोग कर सकते थे ।

(ख) जी, नहीं । राष्ट्रीय राजमार्गों से इतर सड़कों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग निधियों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता ।